



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 248] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 24, 1976/श्रावण 2, 1898

No. 248] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 24, 1976/SRAVANA 2, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July 1976

G.S.R. 472(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 205, read with clause (a) of sub-section (1) of section 642, of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Companies (Transfer of Profits to Reserves) Rules, 1975, namely:—

1. These rules may be called the Companies (Transfer of Profits to Reserves) Amendment Rules, 1976.

2. In rule 3 of the Companies (Transfer of Profits to Reserves) Rules, 1975 (hereinafter referred to as the said rules), for clause (i), the following clause shall be substituted, namely:—

“(i) Where a dividend is declared,—

(a) a minimum distribution sufficient for the maintenance of dividends to shareholders at a rate equal to the average of the rates at which dividends declared by it over the three years immediately preceding the financial year; or

(b) in a case where bonus shares have been issued in the financial year in which the dividend is declared or in the three years immediately preceding the financial year, a minimum distribution sufficient for the maintenance of dividends to shareholders at an amount equal to the average amount (quantum) of dividend declared over the three years immediately preceding the financial year, is ensured;

Provided that in a case where the net profits after tax are lower by 20 per cent or more than the average net profits after tax of the two financial years immediately preceding, it shall not be necessary to ensure such minimum distribution."

3. After rule 3 of the said rules, the following rule shall be added, namely:—

"4. *Penalty.*—If a company fails to comply with any of the provisions contained in these rules, the company and every officer of the company in default, shall be punishable with fine which may extend to five hundred rupees, and, where the contravention is a continuing one, with a further fine which may extend to fifty rupees for every day, after the first, during which such contravention continues."

[No. F. 5/8/76-CL-V.]

P. B. MENON, Jt. Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य संचालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1976

सा० का० नि० 472(अ).—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के साथ पठित धारा 205 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार कम्पनी (लाभों का आरक्षितियों में अन्तरण) नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का नाम कम्पनी (लाभों का आरक्षितियों में अन्तरण) संशोधन नियम, 1976 है।

2. कम्पनी (लाभों का आरक्षितियों में अन्तरण) नियम, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(i) जहां कोई लाभांश घोषित किया जाए, —

(क) वहां अंशधारकों को लाभांश देते रहने के लिए, वित्तीय वर्ष से ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों में कम्पनी द्वारा घोषित लाभांशों की दरों के औसत के बराबर दर पर पर्याप्त न्यूनतम वितरण सुनिश्चित हो; अथवा

(ख) ऐसे मामले में जहां उस वित्तीय वर्ष में जिसमें लाभांश घोषित किया जाता है या वित्तीय वर्ष से ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों में बोनस शेयर जारी किए गए हों, वहां अंशधारकों को लाभांश देते रहने के लिए वित्तीय वर्ष से ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों में से घोषित लाभांश की औसत रकम (मात्रा) के बराबर रकम तक पर्याप्त न्यूनतम वितरण;

सुनिश्चित हो :

परन्तु उस दशा में जहां, कर के पश्चात्, शुद्ध लाभ, ठीक पूर्ववर्ती दो वित्तीय वर्षों के, कर के पश्चात्, औसत शुद्ध लाभ के 20 प्रतिशत या उससे अधिक तक कम है, ऐसा न्यूनतम वितरण सुनिश्चित करना आवश्यक नहीं होगा । ” ।

3. उक्त नियमों के नियम 3 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“4. शास्ति.—यदि कम्पनी इन नियमों में के उपबन्धों में से किसी का अनुपालन करने में असफल रहती है तो कम्पनी और कम्पनी का हर अधिकारी, जो व्यक्तिगत करता है, जुमाने से, जो पांच सौ रुपए तक का हो सकेगा, तथा, निरन्तर उल्लंघन की दशा में, और जुमाने से, जो प्रथम दिन के पश्चात् उस प्रत्येक दिन के लिए जिसके दौरान उल्लंघन चालू रहता है, जुमाने से, जो पचास रुपए तक का हो सकेगा, दण्डनीय होगा । ” ।

[सं० फा० 5/8/76-सी एल-5]

पी० बी० मेनन, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा निर्यन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976

